Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भारत लोग और अर्थव्यवस्था

कक्षा -12

अध्याय -2

मानव बस्तियाँ

भाग - 2

पंकज वैष्णव

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- निम्न में से ग्रामीण - बस्तियों के प्रकार है :-

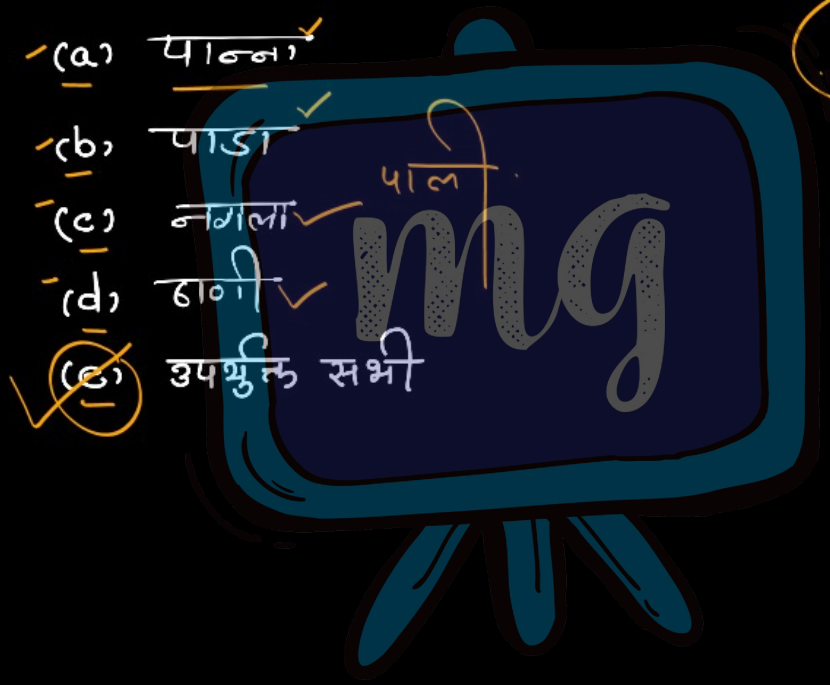
(a) गुच्छित →
(b) अर्द्ध - गुच्छित →
(c) पल्ली →
(d) परिक्षिप्त →
(e) उपर्युक्त सभी ✓

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q:- पल्ली बस्तियों के अन्य नाम हैं:-

(a) पान्ना
(b) पाड़ा
(c) नगला
(d) ढाणी
(e) उपर्युक्त सभी



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

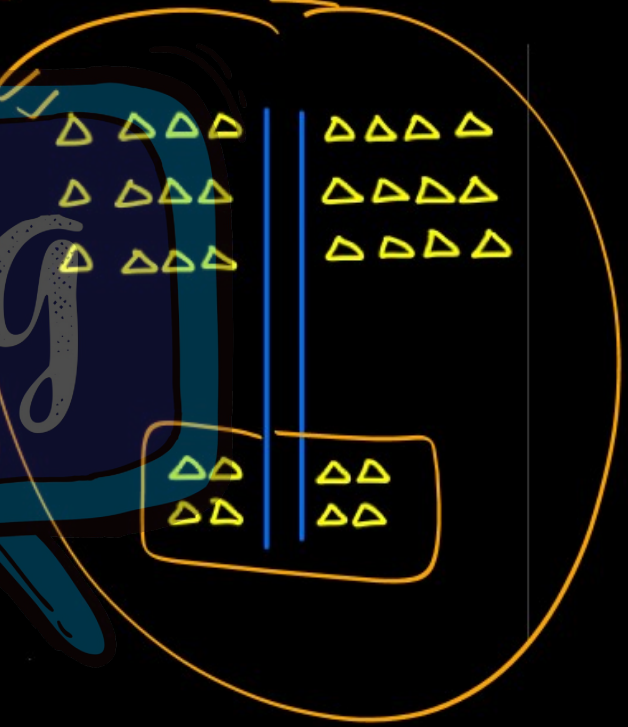
Q:- निम्न ग्रामीण बस्ती किस प्रकार की है ?

(a) गुच्छित

(b) अर्द्ध - गुच्छित

(c) पल्ली

(d) परिक्षिप्त (एकाकी)



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

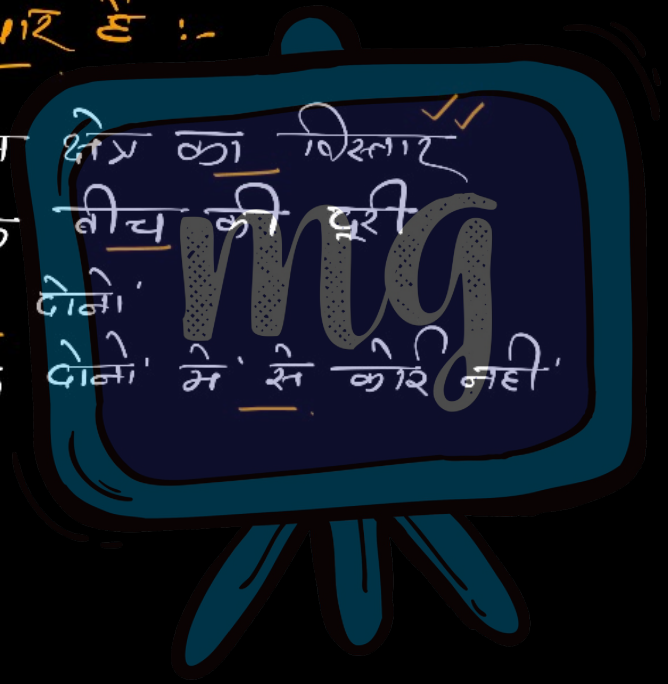
Q:- ग्रामीण बस्तियों के वर्गीकरण का आधार है :-

(a) निर्मित क्षेत्र का विस्तार

(b) घरों के बीच की दूरी

(c) उपरोक्त दोनों

(d) उपरोक्त दोनों में से कोई नहीं



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

Q :- निम्न में से कौन-सी विशेषता सामान्यत : ग्रामीण बस्ती से जुड़ी हुई नहीं है ?

(a) प्राथमिक क्रियाओं की प्रधानता ✓

(b) कम गतिशीलता ✓

(c) सामाजिक संबंधों में औपचारिकता ✗

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

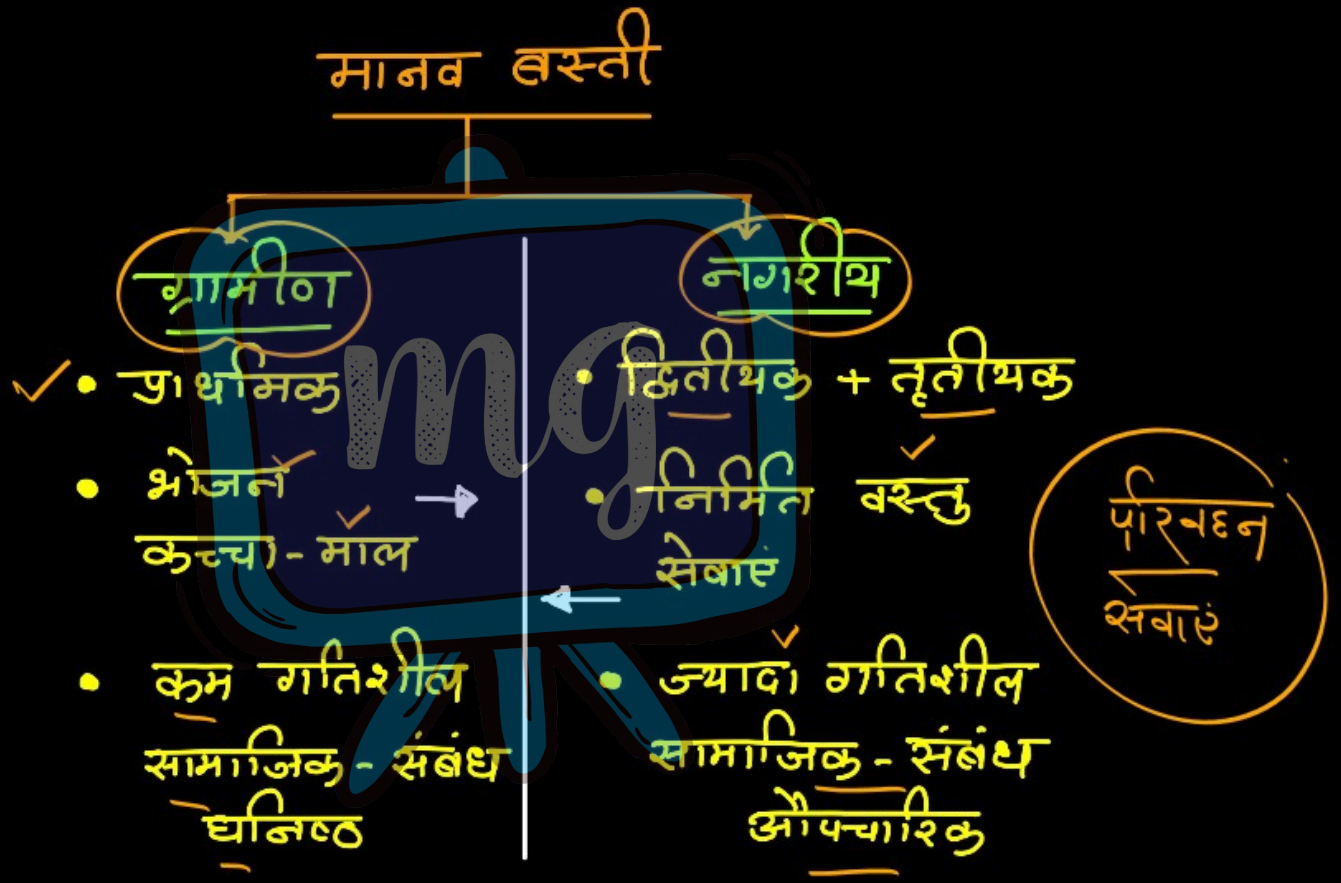
ग्रामीण बस्तियों →

- प्राथमिक क्रियाकलाप
- कच्चा माल / भोजन
- कम गतिशील
- सामाजिक संबंध घनिष्ठ



Under CSR Support by
ipca | Foundation

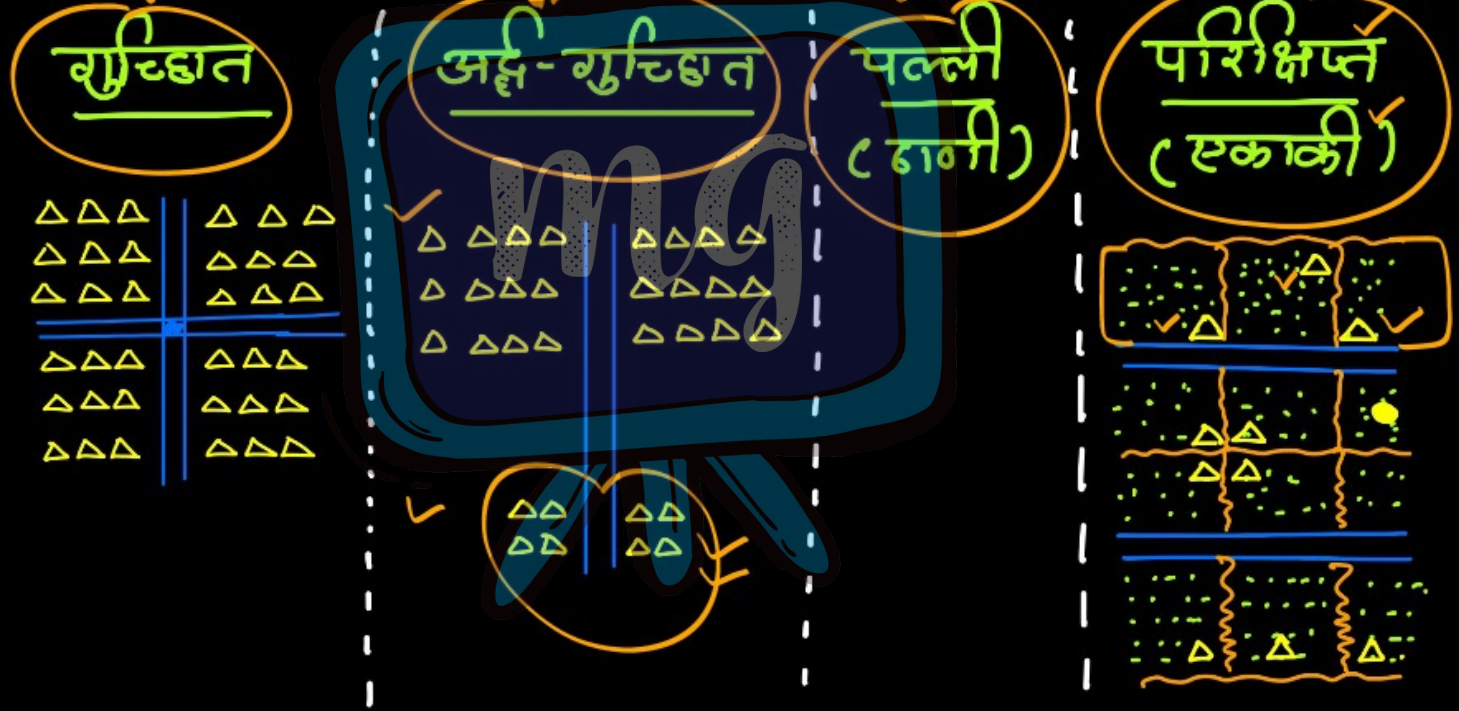
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

ग्रामीण बस्तियां



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

नगरीय बस्तियाँ

- ग्रामीण बस्तियों के विपरीत नगरीय बस्तियाँ सामान्यतया संहत तथा विशाल आकार की होती है। ये बस्तियाँ अनेक प्रकार के अकृषि, आर्थिक और प्रशासकीय प्रकार्यों में संलग्न होती है।

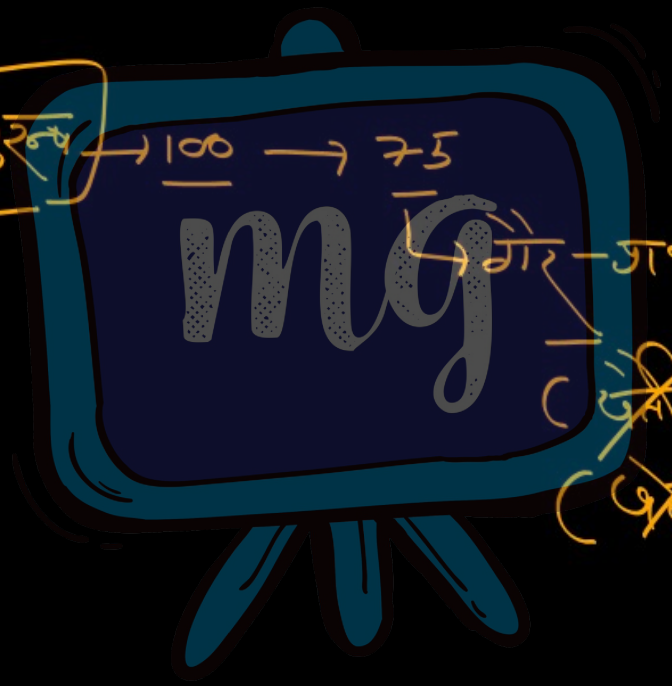
2011 → 2021 → 2024

2011 की जनगणना के अनुसार नगर

1. 5000 से अधिक जनसंख्या
2. 400 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर से अधिक घनत्व
3. 75% से अधिक कार्यशील पुरुष गैर-प्राथमिक क्षेत्र मे कार्यरत हो

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



75%

का परिलि पुरुष → 100 → 75

↳ गैर-उर्वरक क्षेत्र

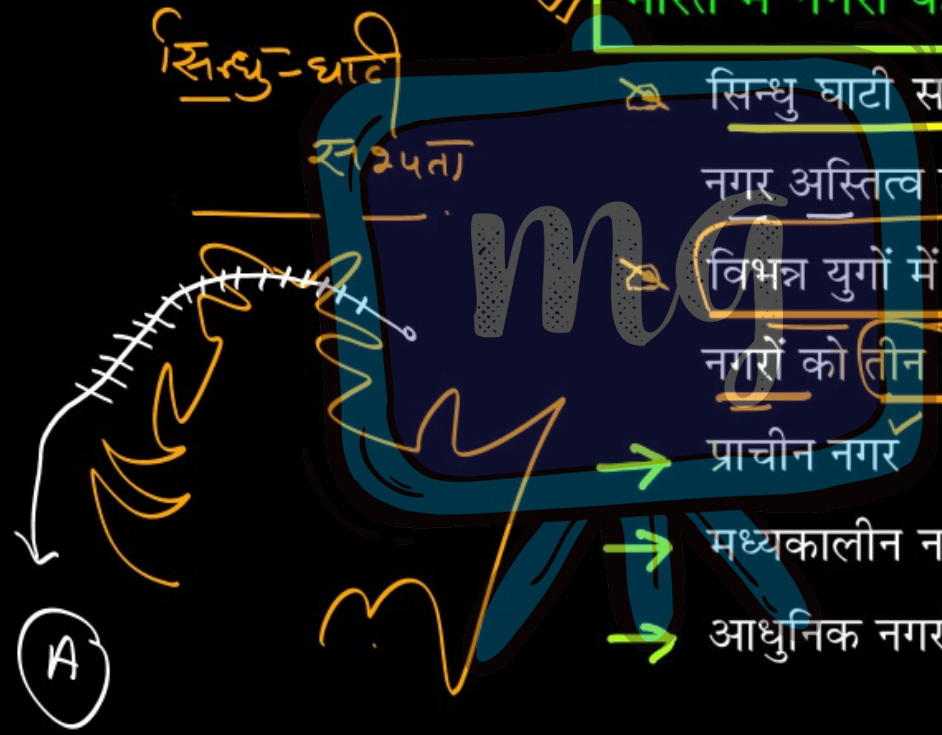
(उद्योग) (परामर्शन)

(खनन) (बैंकिंग)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

भारत में नगरों का विकास



- सिन्धु घाटी सभ्यता से ही हड़प्पा व मोहनजोदड़ो नगर अस्तित्व में थे।
- विभिन्न युगों में उनके विकास के आधार पर भारतीय नगरों को तीन भागों में बाँटा जा सकता है-
  - प्राचीन नगर
  - मध्यकालीन नगर
  - आधुनिक नगर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



1. **प्राचीन नगर** – वाराणसी, प्रयाग, पाटलीपुत्र (पटना) जैसे नगरों का विकास धार्मिक एवं सांस्कृतिक केन्द्रों के रूप में हुआ।
2. **मध्यकालीन नगर** – दिल्ली, जयपुर, आगरा, हैदराबाद, जैसे नगरों का विकास राज्यों एवं रजवाड़ों के मुख्यालयों के केन्द्र के रूप में हुआ।
3. **आधुनिक नगर** – अंग्रेजों द्वारा तटीय क्षेत्रों में सूरत, दमन, गोआ, पुडुचेरी तथा मुम्बई, चेन्नई, कोलकाता, जमशेदपुर (औद्योगिक नगर) विकसित किये। स्वतंत्रता पश्चात प्रशासनिक केन्द्र चंडीगढ़, भुवनेश्वर, गाँधीनगर, दिसपुर तथा औद्योगिक केन्द्र दुर्गापरु, भिलाई, सिंदरी, बरौनी आदि विकसित हुए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण (2)

- समस्त नगर अपने आकार, स्थिति, बसाव, कार्य आदि की दृष्टि से एक-दूसरे से भिन्न होते हैं-
- कुछ नगरों को कुछ निश्चित कार्यों में विशिष्टता प्राप्त होती है। उन्हें कुछ विशिष्ट क्रियाओं, उत्पादन अथवा सेवाओं के लिए जाना जाता है।

(i) **प्रशासन नगर** : नई दिल्ली, चंडीगढ़, जयपुर, गाँधी नगर, इंफाल, चेन्नई आदि।

(ii) **औद्योगिक नगर** : उद्योगों के कारण विकसित नगर जैसे- मुम्बई, सलेम, जमशेदपुर, हुगली, भिलाई आदि।

(iii) **परिवहन नगर** : कांडला, कोच्चि, विशाखापट्टनम जैसे पत्तन नगर एवं धुलिया, मुगलसराय, कटनी जैसे आंतरिक परिवहन के केन्द्र।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



खनन नगर : समृद्ध खनिज क्षेत्रों में विकसित नगर जैसे- रानीगंज, झरिया आदि।

वाणिज्यिक नगर : वाणिज्य एवं व्यापार में विशिष्टता प्राप्त नगर जैसे-कोलकाता, सतना, सहारनपुर आदि।

धार्मिक और सांस्कृतिक नगर : पुष्कर, वाराणसी, मथुरा आदि।

शैक्षिक नगर : पिलानी, अलीगढ़, रुड़की, इलाहाबाद, कोटा आदि।

पर्यटन नगर : नैनीताल, मसूरी, शिमला, माउंट आबू आदि।

गैरीसन (छावनी) नगर : अंबाला, जालंधर, महू, उधमपुर आदि। इनका विकास सैनिक छावनियों के रूप में हुआ है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



// स्मार्ट सिटी

सन

— —

स्मार्ट सिटी मिशन

स्मार्ट सिटी मिशन का उद्देश्य शहरों को बढ़ावा देना है जो आधारभूत सुविधा, साफ तथा सतत पर्यावरण और अपने नागरिकों को बेहतर जीवन प्रदान करते हैं। स्मार्ट शहरों की एक विशेषता आधारभूत सुविधाओं और सेवाओं के लिए स्मार्ट समाधानों को लागू करना है। जिससे क्षेत्रों को प्राकृतिक आपदाओं के कम जोखिम वाले क्षेत्रों के रूप में बनाया जा सके, साथ ही साथ कम संसाधनों का उपयोग तथा सस्ती सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकें। इस योजना में सतत तथा समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस योजना का उद्देश्य एक ऐसे सघन क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना है जो एक मॉडल के रूप में अन्य बढ़ते हुए शहरों के लिए लाइट हाऊस का काम करे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

तालिका 2.1 : भारत – नगरीकरण की प्रवृत्तियाँ 1901–2011

वर्ष	नगरों/नगरीय संकुलों की संख्या	नगरीय जनसंख्या (हजारों में)	कुल नगरीय जनसंख्या का %	दशकीय वृद्धि (%)
1901	1,827	25,851.9	10.84	—
1911	1,815	25,941.6	10.29	0.35
1921	1,949	28,086.2	11.18	8.27
1931	2,072	33,456.0	11.99	19.12
1941	2,250	44,153.3	13.86	31.97
1951	2,843	62,443.7	17.29	41.42
1961	2,365	78,936.6	17.97	26.41
1971	2,590	1,09,114	19.91	38.23
1981	3,378	1,59,463	23.34	46.14
1991	4,689	2,17,611	25.71	36.47
2001	5,161	2,85,355	27.78	31.13
2011*	6,171	3,77,000	31.16	31.08

स्रोत: भारत की जनगणना, 2011, http://www.censusindia.gov.in (अंतरिम)

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

